हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 101 देहरादून, बृहस्पतिवार, 06 अक्टूबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

पौड़ी बस हादसे में सीएम धामी ने तत्काल आर्थिक सहायता घोषित की 3

आ गयी चार धाम कपाट बंद होने की तारीख रिकॉर्ड यात्रियों की दर्ज हो रही संख्या

19 नवंबर को अपराह्न 3 बजकर 35 मिनट श्री बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

श्री बदरीनाथ/ उखीमठ/ उत्तरकाशी, 6 अक्टूबर। श्री बदरीनाथ धाम के कपाट इस यात्रा वर्ष शनिवार 19 नवंबर को शाम 3 बजकर 35 मिनट पर बंद होंगे। जबकि श्री केदारनाथ धाम के कपाट 27 अक्टूबर प्रातः 8.30 बजे भैया दूज के अवसर पर बंद होंगे। श्री गंगोत्री धाम के कपाट 26 अक्टूबर गोवर्धन पूजा के दिन 12 बजकर एक मिनट तथा यमुनोत्री धाम के कपाट भैया दूज 27 अक्टूबर को मध्यान अभिजीत मुहूर्त में शीतकाल हेतु बंद हो जायेंगे। जबकि श्री हेमकुंट साहिब लक्ष्मण मंदिर के कपाट 10 अक्टूबर को बंद हो रहे है।विश्व प्रसिद्ध श्री बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की तिथि आज विजय दशमी के अवसर पर विधि-विधान पंचाग गणना के पश्चात तय हुई। इससे पूर्व मंदिर परिसर मैं नवरात्रि के दौरान नौ दिन तक मां उर्वशी पूजा संपन्न हुई आज दशमी में समापन हुआ। विजय दशमी के महापर्व पर आज प्रातः 10.45 बजे देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भगवान बदरीविशाल के दर्शन किये।

इस अवसर पर श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष अजेंद्र अजय तथा मंदिर उपाध्यक्ष किशोर पंवार, जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, एसपी श्वैता चौबे एसडीएम कुमकुम जोशी ने उनकी अगवानी की। इस दौरान राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (अवकाश प्राप्त) गुरमीत सिंह भी श्री बदरीनाथ मंदिर के गुजराती भवन में रक्षामंत्री से शिष्टाचार भेंट की इस अवसर पर श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय भी मौजूद थे। मंदिर समिति अध्यक्ष ने रक्षा मंत्री का माल्यार्पण अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया।इसके पश्चात बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय एवं उपाध्यक्ष किशोर पंवार की उपस्थिति में आयोजित धार्मिक समारोह में रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी ने कपाट बंद होने की तिथि 19 नवंबर घोषित की। इस अवसर पर बदरीनाथ मंदिर को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया था। दोपहर के बाद शुरू हुए धार्मिक समारोह में पूजा-अर्चना, विधि-विधान पूर्वक पंचाग गणना पश्चात लग्न, मुहुर्त देख कर तिथि तय की गयी। पूजा-अर्चना पंचाग गणना धर्माधिकारी भुवन चंद्र उनियाल, अपर धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, वेदपाठी रविन्द्र भट्ट द्वारा की गयी। कपाट बंद होने की प्रक्रिया के तहत पंच पूजाओं में 15 नवंबर मंगलवार को पहले दिन पूजा अर्चना पश्चात शाम को श्री गणेश जी के कपाट बंद हो जायेंगे। दूसरे दिन 16 नवंबर बुद्धवार को आदि केदारेश्वर मंदिर के कपाट बंद होंगे, तीसरे दिन 17 बृहस्पतिवार नवंबर को खडग पुस्तक पूजन एवं वेद ऋचाओं का पाठ बंद हो जायेगा। चौथे दिन 18 शुक्रवार नवंबर को मां लक्ष्मी जी को कढाई भोग लगाया जायेगा। तथा पांचवें दिन 19 नवंबर को रावल जी स्त्री भेष में मां लक्ष्मी को श्री बदरीविशाल के निकट स्थापित कर देते है। इससे पहले श्री उद्धव जी एवं कुबेर जी मंदिर प्रांगण में आ जाते है। और श्री बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल हेतु बंद हो जायेंगे। कुबेर जी रात्रि अवस्थान हेतु बामणी गांव चले जायेंगे। जबकि उद्धव जी रावल मंदिर के निकट रहते है। दिनांक 20 नवंबर को देवडोलियां श्री बदरीनाथ धाम से पांडुकेश्वर एवं श्री नृसिंह मंदिर जोशीमठ हेतु प्रस्थान करेंगी।इस अवसर पर आदि गुरु शंकराचार्य जी की डोली के जोशीमठ तथा श्री उद्धव जी तथा कुबेर जी के पांडुकेश्वर प्रस्थान की तिथि निश्चित हो गयी। 20 नवंबर प्रातःश्री उद्धव जी एवं कुबेर जी की देवडोली अपने पांडुकेश्वर स्थित मंदिर पहुंच जायेगी जबकि आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी 20 नवंबर को रावल सहित योगध्यान बदरी पांडुकेश्वर प्रवास करेगी। दूसरे दिन 21 नवंबर सोमवार को आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी श्री नृसिंह मंदिर जोशीमठ पहुंचेगी।इसी के साथ श्री बदरीनाथ धाम यात्रा का समापन भी हो जायेगा तथा योग बदरी पांडुकेश्वर तथा श्री नृसिंह मंदिर जोशीमठ में शीतकालीन पूजायें शुरू हो जायेंगी। कपाट बंद होने की तिथि तय होने के अवसर पर मंदिर समिति की ओर से हक-हकूकधारियों को पगड़ी भेंट की गयी मेहता थोक से रवीन्द्र मेहता, गोविन्द भट्ट, भंडारी थोक से अनूप भंडारी, गोविंद पंवार को अगले यात्रा काल की भंडार व्यवस्था हेतु यह पगड़ी भेंट की गयी।इस अवसर स्वामी मुकुंदानंद महाराज,उप मुख्य कार्याधिकारी सुनील तिवारी, अधिशासी अभियंता अनिल ध्यानी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी गिरीश चौहान,मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान, डा. हरीश गौड़ सहित अधिकारी - कर्मचारी, हक हकूकधारी, तीर्थपुरोहित समाज के पदाधिकारी,सदस्य, बड़ी संख्या में तीर्थयात्री, माणा- बामणी के ग्रामवासी मौजूद रहे।मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि श्री केदारनाथ धाम के कपाट इस यात्रा वर्ष 27 अक्टूबर प्रातः साढ़े आठ बजे शीतकाल हेतु बंद हो जायेंगे। भगवान केदारनाथ जी की पंचमुखी डोली 27 अक्टूबर को फाटा, 28 अक्टूबर को विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी तथा 29 अक्टूबर को श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ पहुंचेगी।इसी के साथ पंचकेदार गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ में भगवान केदारनाथ जी की शीतकालीन पूजाये शुरू हो जायेंगी।श्री गंगोत्री मंदिर समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री गंगोत्री धाम के कपाट अन्नकूट/ गोवर्धन पूजा के दिन 26 अक्टूबर दोपहर को बंद हो जायेंगे। उसी दिन मां गंगा की डोली गंगोत्री से देवी मंदिर मुखीमठ (मुखवा) हेतु प्रस्थान करेगी। आज गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने की घोषणा विधिवत की गयी इस अवसर पर गंगोत्री मंदिर समिति अध्यक्ष हरीश सेमवाल, सचिव सुरेश सेमवाल, दिनेश सेमवाल, महेश सेमवाल मौजूद रहे।इसी तरह यमुनोत्री धाम के कपाट भैयादूज 27 अक्टूबर को बंद हो दोपहर के अभिजीत मुहूर्त में बंद जायेंगे। मां यमुना की उत्सव डोली इसी दिन शीतकालीन गद्दीस्थल खुशीमठ (खरसाली) के लिए प्रस्थान करेगी।इसी तरह द्वितीय केदार मद्महेश्वर जी के कपाट शुक्रवार 18 नवंबर को बंद होंगे तथा 21 नवंबर सोमवार के दिन मद्महेश्वर मेला आयोजित होगा।श्री मद्महेश्वर जी की उत्सव डोली विभिन्न पड़ावों 18 नवंबर को गौंडार, 19 नवंबर को रांसी,20 नवंबर को गिरिया, 21 नवंबर को श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ पहुंचेगी। श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ पहुंचेगी। 21 नवंबर को मद्महेश्वर मेला आयोजित होगा। श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ में आयोजित कपाट बंद होने की तिथि तय होने के समारोह के अवसर पर पुजारी शिवशंकर लिंग, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार नौटियाल, आदि मौजूद रहे।तृतीय केदारनाथ तुंगनाथ जी के कपाट 7 नवंबर सोमवार को बंद होंगे। तथा इसी दिन श्री तुंगनाथ जी की उत्सव डोली चोपता पहुंचेगी, भनकुन, भूतनाथ होते हुए उत्सव डोली श्री मार्कंडेय मंदिर मक्कूमठ पहुंचेगी। आज मक्कूमठ में तिथि घोषित करने के अवसर पर मठापति राम प्रसाद मैठाणी, पूर्व मंदिर अधिकारी भूपेंद्र मैठाणी बलबीर नेगी आदि मौजूद रहे। चतुर्थ केदार तुंगनाथ के कपाट सोमवार 17 अक्टूबर शायंकाल 5.13 बजे बंद हो रहे है।गुरुद्वारा हेमकुंट ट्रस्ट के उपाध्यक्ष नरेन्द्र जीत सिंह विंद्रा तथा सरदार सेवा सिंह ने बताया कि श्री हेमकुंट साहिब तथा लोकपाल तीर्थ के कपाट शीतकाल हेतु 10 अक्टूबर सोमवार को बंद हो रहे है।श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि कपाट खुलने से अभी तक 1453549 तीर्थयात्री श्री बदरीनाथ धाम, 1339477 तीर्थयात्री केदारनाथ, 458701 तीर्थयात्री यमुनोत्री तथा 483096 तीर्थयात्री गंगोत्री धाम पहुंचे है। अभी तक उत्तराखंड चारधाम पहुंचनेवाले तीर्थयात्रियों की कुल संख्या 3834823(अड़तीस लाख चौतीस हजार आठ सौ तेईस) हो गयी है। गुरुद्वारा हेमकुंट साहिब से प्राप्त जानकारी के अनुसार सवा दो लाख यात्री हेमकुंट साहिब के दर्शन कर चुके है।

राजनाथ सिंह ने किए बदरी विशाल के दर्शन चीन सीमा पर जवानों के साथ मनाया दशहरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली, 05 अक्टूबर। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सेना की अग्रिम चौकी माणा वेस्ट कैंप और औली में सेना, आईटीबीपी व बीआरओ (सीमा सड़क संगठन) के जवानों के साथ दशहरा पर्व मनाया। उन्होंने कहा कि देश की सेना और पैरा मिलिट्री हमारी शान, हमारा भरोसा है। भारत की सेना की गिनती दुनिया की उत्कृष्ट सेनाओं में होती है। शस्त्रों की पूजा के दौरान उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का अकेला ऐसा देश है जहां शास्त्रों के साथ शस्त्रों की भी पूजा होती है।

रक्षा मंत्री बुधवार को सुबह करीब साढ़े आठ बजे औली और माणा वेस्ट कैंप पहुंचे जहां उन्होंने जवानों के साथ दशहरा मनाया। साथ ही उन्होंने

शस्त्रों की भी पूजा की। उन्होंने जवानों को दशहरे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की सुरक्षा के साथ आपदा की चुनौतियों और आंतरिक सुरक्षा के खतरों से निपटने में हमारे सैनिक बहुआयामी भूमिका निभाते हैं। ऊंचाई वाले इलाकों में प्रतिकूल मौसम और विषम परिस्थितियों के बावजूद हमारे सैनिक बहादुरी से अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। जवानों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई हमारी सीमा पर छेड़छाड़ करता है तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। हमारा देश न दूसरे की भूमि पर नजर रखता है और न अपनी भूमि पर नजर रखने वाले को छोड़ता है। कहा कि मुझे सेना के जवानों से मिलने में हमेशा गर्व होता है। इसीलिए दशहरा पर्व के मौके पर सैनिकों के साथ खुशियां मनाने आया हूं। औली में उन्होंने जवानों के साथ शस्त्र पूजा की। शस्त्र पूजा के दौरान सेना प्रमुख मनोज पांडे, ले.ज. योगेंद्र डिमरी, ले.ज. जेपी मैथ्यु सहित आईटीबीपी के जवान मौजूद रहे।

मोर्चे पर उतरेंगे बर्फीले तूफान में जान बचाने वाले जांबाज, गुलमर्ग से आज पहुंचेगी टीम

चमोली, 05 अक्टूबर। चमोली, 05 अक्टूबर। उत्तरकाशी जिले में हिमस्खलन में फंसे पर्वतारोहियों को बचाने के लिए अब हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल गुलमर्ग (एचएडब्ल्यूएस) के जांबाज मोर्चे पर उतरेंगे। जम्मू कश्मीर से 16 सदस्यीय दल बुधवार को उत्तराखंड के रवाना हो गया। बृहस्पतिवार सुबह ये जांबाज देहरादून से उत्तरकाशी के लिए रवाना होंगे। इनके लिए वायु सेना के हेलीकाप्टर का इंतजाम किया जा रहा है।

उच्च हिमालयी क्षेत्र में एडवांस माउंटेनियरिंग कोर्स के लिए निकला पर्वतारोहियों का दल बर्फीले तूफान की चपेट में आया है। हिमस्खलन में फंसे पर्वतारोही दल के सदस्यों के बचाव के लिए जम्मू कश्मीर के हाई एल्टीट्यूट वारफेयर स्कूल गुलमर्ग के जांबाजों को उतारा जाएगा। सेना के इस स्कूल के जवानों को ऊंचे पर्वतों में बर्फीली चोटियों पर ड्यूटी करने और बर्फीले तूफानों से बचाव की ट्रेनिंग दी जाती है। केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से एचएडब्ल्यूएस के 16 सदस्यीय जवानों को हिमस्खलन में फंसे पर्वतारोहियों को निकालने के लिए भेजा गया है। बुधवार देर रात तक एचएडब्ल्यूएस के जवान देहरादून पहुंचेंगे। बृहस्पतिवार सुबह देहरादून से उत्तरकाशी बेस कैंप के लिए रवाना होंगे। इन जवानों के लिए वायु सेना के हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की जा रही है। बता दें कि पर्वतारोहियों को निकालने व बचाव कार्य में सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीमें जुड़ी है। हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल के जवानों को उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ड्यूटी व बचाव कार्य में दक्षता होने से उनकी मदद ली जा रही है।

हिमस्खलन हादसे का मुख्यमंत्री धामी ने किया हवाई सर्वेक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी, 05 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने द्रोपदी का डांडा-2 पर्वत चोटी में हिमस्खलन की चपेट में आए नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) उत्तरकाशी के प्रशिक्षणार्थियों हेतु चल रहे बचाव एवं राहत कार्यों का हवाई सर्वेक्षण कर जायजा लिया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने आईटीबीपी गेस्ट हाऊस मातली में अधिकारियों की बैठक लेते हुए घटना स्थल की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के साथ हरिद्वार सांसद डॉ रमेश पोखरियाल निशंक भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने द्रोपदी का डांडा 2 पर्वत में घटित घटना के प्रत्यक्षदर्शी प्रशिक्षक आकाश सराफ का हालचाल जाना एवं घटना स्थल की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राहत बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। घायलों का बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएम अभिषेक रुहेला,एसपी अपर्ण यदुवंशी,क्षेत्रीय विधायक सुरेश चौहान, सहित एसडीएम चतर सिंह चौहान, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल आदि अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

क्वांटम विश्वविद्यालय में मची गरबे की धूम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नवरात्रि के इस खास अवसर पर क्वांटम विश्वविद्यालय में मनाया गया गरबा नाईट । इस अवसर को मनाने का विशेष उद्देश्य है , बुराई पर अच्छाई की जीत हे । आपको बता दे गरबा नाईट शाम 5:30 से लेकर 8:30 बजे तक हुआ । जिसका ड्रेस कोड एथनिक था । यह गरबा नाईट मुख्य रूप से क्वांटम विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए आयोजन किया गया । गरबा नाईट के दिन छात्रों ने पहले भगवान की आराधना की और फिर आरती की , उसके बाद गरबा नाईट की शुरुआत की , जहाँ छात्रों ने डांडिया के साथ अपना नृत्य प्रदर्शन किया। वही छात्रों ने बहुत ही हर्ष और उल्लास के अपना नृत्य प्रदर्शन किया और इसको देखते ही शिक्षक अपने आप को रोक नहीं पाए और गरबा के स्थान पर आह पहुँचे और गरबा करने लगे । छात्रों की आगमन शाम 5:00 बजे से हो गयी थी और ठीक शाम 5:30 बजे क्वांटम सभागार में गरबा संगीत को जोर से बजाकर छात्रों का उत्साह बढ़ाया। गरबा को लेकर छात्रों में पहले से ही बहुत उत्साह था और संगीत बजने के बाद वह अपने आप को रोक नहीं पाए । गरबा के समय विश्वविद्यालय का महौल खुशियों से भर गया था। और इस अवसर के अंत में छात्र ने अपने दोस्तों के साथ सेल्फी लेकर इस अवसर को यादगार बनाया ।

बस हादसे के घायलों से मिली स्पीकर खण्डूरी , जल्द स्वस्थ होने की कामना की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार, 05 अक्टूबर। पौड़ी में सिमड़ी गांव के निकट बारातियों से भरी बस के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद घायलों को कोटद्वार बेस अस्पताल में भर्ती किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने बेस अस्पताल पहुंच कर घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली।इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने इलाज कर रहे चिकित्सकों से प्रत्येक घायल व्यक्ति की मेडिकल जानकारी के बारे में बातचीत की। बता दें कि विधानसभा अध्यक्ष ने श्रीकोट डोभ में पहुंचकर अंकिता भंडारी के परिजनों से मुलाकात की थी उसके पश्चात कोटद्वार पहुंच कर सीधे बेस अस्पताल पहुंची जहां उन्होंने बस दुर्घटना में घायल हुए लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

इस बीच विधानसभा अध्यक्ष ने बेस अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने का निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने घायलों के परिजनों से भी मुलाकात की एवं उन्हें हर प्रकार से मदद देने की बात कही।

पौड़ी बस हादसे में सीएम धामी ने तत्काल आर्थिक सहायता घोषित की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 5 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सिमडी, पौड़ी में हुई बस दुर्घटना स्थल का जायजा लिया। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक भी मौजूद थे। 4 अक्टूबर 2022 की देर सायं को सिमड़ी में हुई वाहन दुर्घटना एवं राहत-बचाव कार्यों की मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन से पूरी जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने रेस्क्यू कर रहे एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस, राजस्व पुलिस और इस कार्य में लगे विभिन्न विभागीय कार्मिकों को तेजी से रेस्क्यू कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को घायलों का त्वरित और समुचित उपचार करने के निर्देश दिए। प्रभावित परिवारों से मुलाकात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि घायलों को उचित उपचार दिया जा रहा है। राज्य सरकार की ओर से प्रभावितों को हर संभव मदद दी जायेगी। मुख्यमंत्री कल देर सांय से ही अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ले रहे थे। उन्होंने राज्य आपदा कंट्रोल रूम पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया एवं अधिकारियों को हालात पर लगातार नजर बनाए रखने एवं शासन स्तर से हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये थे। इस अवसर पर विधायक लैंसडाउन दिलीप रावत, गढ़वाल आयुक्त सुशील कुमार, डीआईजी करण सिंह नगन्याल, जिलाधिकारी विजय कुमार जोगदण्डे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यशवंत सिंह चौहान उपस्थित थे।

सीएम धामी ने बस दुर्घटनाग्रस्त में घायल हुए लोगों से की मुलाकात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार, 5 अक्टूबर। ।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कोटद्वार बेस अस्पताल में सिमड़ी, पौड़ी में हुई बस दुर्घटनाग्रस्त में घायल हुए लोगों का हालचाल जाना। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद डॉ. रामेश पोखरियाल निशंक भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कोटद्वार बेस अस्पताल में घायलों के परिवारजनों से मुलाकात कर कहा कि घायलों के ईलाज के लिये सरकार द्वारा पूरी व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में भर्ती घायलों के बारे में डाक्टरों से पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने सिमड़ी, पौड़ी बस दुर्घटना में फर्स्ट रेस्पांडर के रूप में घटना स्थल पर पहुंचे ग्रामीणों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले आस-पास के ग्रामीण पहुँचे और उन्होंने घायलों को बाहर निकालने में मदद की। मुख्यमंत्री ने डीएम पौड़ी को निर्देशित किया है कि जिन ग्रामीणों ने आपदा की घड़ी में घायलों को और मृतकों को बाहर निकालने में मदद किया है उनकी सूची बनाकर उनको भी प्रोत्साहित करने हेतु प्रोत्साहन धनराशि प्रदान की जाए।

मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने हादसे के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश, 5 अक्टूबर। बीते रोज राज्य में दो बड़ी घटनाओं में लोगों के हताहत होने की सूचना पाकर क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने शोक सभा आयोजित कर मृतकों की आत्मशांति की कामना हेतु दो मिनट का मौन रखा। इस मौके पर अंकिता भंडारी को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही मंत्री डा. अग्रवाल ने अपने समस्त कार्यक्रम स्थगित किये हैं। बुधवार को बैराज रोड़ स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित शोक सभा में मंत्री डा. अग्रवाल ने कहा कि मंगलवार का दिन प्रदेश के लिए दुखद रहा। जिसमें डोकराणी ग्लेशियर क्षेत्र में साढ़े 18600 फीट उंचाई पर स्थित द्रौपदी के डांडा में नेहरू पर्वतारोण संस्थान का प्रशिक्षण दल एवलांच की चपेट में आ गया। 42 सदस्यीय दल में चार लोगों की मृत्यु की सूचना हैं। मंत्री डा. अग्रवाल ने कहा कि वहीं दूसरी घटना हरिद्वार जिले के लालाढांग के कटेवड़ गांव से कांडा तल्ला जा रही बस में सवार बरातियों के साथ हुई, जो लैंसडोन के सिमड़ी गांव के पास गहरी खाई में जा गिरी, जिसमें भी करीब 25 लोगों की मृत्यु होने की सूचना मिली है। मंत्री डा. अग्रवाल ने कहा कि यह हमारे प्रदेश के लिए दुखद खबर है। इस मौके पर कैंप कार्यालय में शोक सभा के जरिए मृतकों की आत्मशांति की कामना की गई। साथ ही अंकिता भंडारी को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष ऋषिकेश दिनेश सती, मंडल अध्यक्ष वीरभद्र अरविंद चौधरी, महामंत्री सुमित पंवार, सुंदरी कंडवाल, पूर्व प्रधानाचार्य गोविंद सिंह रावत, पार्षद विकास तेवतिया, कविता शाह, रवि थपलियाल, रूपेश गुप्ता, अरूण बडोनी, हर्षवर्धन रावत, संदीप, पंकज साहनी, दीपक, महबूब, सुनील कुठेरिया, विशाल, जॉन, सतवीर, विक्की, जवाहर सिंह, नरपत , रंजीत आदि उपस्थित रहे।

कैमरा-एक्शन-रफ्तार-अंदाज़ और अवार्ड नाम है आहद उमर खान

दिल्ली मेट्रो का स्टाइलमैन

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आज की स्टोरी है एक ऐसे इंसान की जिसने सपनें देखे और उन सपनों को पूरा करने की दिशा में, उन राहों पर निकल पड़ा जहां से रास्ते उसकी मंज़िल तक जाते थे, जीवन के इस सफर में लाख मुश्किलें आई मगर अपने हौसलों को कभी डिगने नहीं दिया अपने इरादों को कमज़ोर नहीं होने दिया, हिम्मत के बल पर अकेले एक छोटे से गांव से निकल कर दिल्ली और दिल्ली से मुम्बई तक का सफर तय किया, उन्हीं हौसलों और हिम्मत के बल पर अपनी काबलियत को दुनिया के सामने रखा और उसी का ये परिणाम है कि उन्हे कई पुरस्कारों से नवाज़ा जा चुका है लेकिन राष्ट्रीय पुरस्कार पाना अपने आप में एक मिसाल है। हम बात कर रहे है उभरते हुए फिल्म डायरेक्टर और राईटर आहद उमर ख़ान की, आहद उमर ख़ान ने दिल्ली मेट्रो के बनने के सफर को जब कलमबंद किया तो उन्हें उनके इस काम के लिए नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया। आहद उमर ख़ान के निर्देशन में बनी फिल्म ''सरमाउन्टिंग चैलेंजेज़'' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। अभी हाल ही में विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित 68वें राष्ट्रीय पुरस्कारों में उनकी फिल्म ''सरमाउन्टिंग चैलेंजेज़ - अ टेल ऑफ टाइम'' को भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने पुरूस्कृत किया है इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद रहे, 68वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में मेट्रो निर्माण से जुड़ी चुनौतियों पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) द्वारा बनाई गई फिल्म 'सरमाउन्टिंग चैलेंजेज़ ने बेस्ट प्रोफेशनल फिल्म/सर्वश्रेष्ठ प्रचार फिल्म का पुरस्कार जीता है। ''सरमाउन्टिंग चैलेंजेज़ - अ टेल ऑफ टाइम'' फिल्म को ग़ैर फीचर फिल्म की श्रेणी में पुरस्कृत किया गया।

फिल्म की शूटिंग लगातार 10 सालों तक की गई जिसमें फेस 3 के निर्माण कार्य को शूट किया गया, इसके बाद फिल्म को बनाने में करीब एक वर्ष का समय लगा। यह फिल्म भविष्य के इंजीनियरों, रेलवे, मेट्रो इंजीनियरों

बेहतर निर्देशन के लिए मिला है राष्ट्रीय पुरुस्कार

लेखन और निर्देशन का महाकवि

लगन, मेहनत और ईमानदार पेशेवर निर्देशक की है छवि

और शोधकर्ताओं के लिए एक अहम दस्तावेज है। क्योंकि, इसमें निर्माण के दौरान आने वाली चुनौतियों पर व्यापक प्रकाश डाला गया है। उत्तर प्रदेश के शाहंजहांपुर जिले के छोटे से गांव जलालपुर से संबध रखने वाले आहद उमर ख़ान ने कम उम्र से ही कई सीरियल्स, एड फिल्म्स, डाक्यूमेंट्रीज़, रियलटी शोज़ और फिल्म्स में अपनी काबिलियत के झंडे गाड़े हैं। कस्वा खुदागंज से दसवीं की पढ़ाई के बाद 12वीं तक की पढ़ाई एफ आर इस्लामियां इंटर कॉलेज बरेली से करने के बाद बरेली कॉलेज से ग्रेजुएशन कंप्लीट किया, इसके बाद दिल्ली से दिल्ली से मास कम्यूनीकेशन की डिग्री हासिल की, अपने करियर की ईटीवी से की, इसके बाद 2004-05 में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर सुभाष कपूर के साथ काम किया, सुभाष कपूर वहीं डायरेक्टर हैं जिन्होंने फंस गये रे ओबामा, गुड्डू रंगीला, जॉली एलएलबी, जॉली एलएलबी-2, मैडम चीफ मिनिस्टर, महारानी और महारानी 2 जैसी फिल्मों का निर्माण किया है। आहद उमर खान ने अभी तक सभी तरह की लगभग 250 फिल्मों में राईटिंग और डायरेक्शन में अपना जौहर दिखाया है, जहां एक तरफ स्टार प्लस पर प्रसारित मास्टर शेफ में काम किया, वहीं पंजीबी फिल्म फगवाड़ा बाईपास का निर्देशन किया, फिल्मों के आलावा गीत, जिंगल, रेडियो प्रोग्राम किये वहीं एंकर की भूमिका भी निभाते रहे हैं। बहुप्रतिभाशाली आहद उमर खान अभी कई बड़े प्रोजेक्ट कर रहे हैं, वेब सीरीज और फीचर फिल्म पर लिखने का काम तेजी से चल रहा है जो आने वाले दिनों में अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर हम दर्शकों को देखने को मिलेगीं।

दून में सरस मेला आज से शुरू, दिखेगा मिनी भारत का रंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 6 अक्टूबर। प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के मिशन के तहत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में ग्राम्य विकास विभाग एवं जिला प्रशासन देहरादून द्वारा देहरादून जनपद में श्री गुरुनानक पब्लिक गर्ल्स इंटर कॉलेज ग्राउंड में 6 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक सरस मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देहरादून सहित राज्य के अन्य जनपदों एवं देशभर से आए स्वयं सहायता समूह द्वारा प्रतिभाग कर अपने स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा तथा इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आ आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में ग्राम्य विकास मंत्री उत्तराखण्ड सरकार गणेश जोशी द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया जाएगा तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक राजपुर विधानसभा खजानदास द्वारा की जाएगी।

आज मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान ने सरस मेले की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा कार्यक्रम स्थल पर बनाये जा रहे स्टॉल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सरस मेले में प्रतिभाग करने आए त्रिपूरा, मेघालय, जयपुर, लखनऊ, बिहार सहित अन्य प्रदेशों एवं जनपद देहरादून व राज्य के अन्य जनपदों से आए स्वयं सहायता समूहों से भी वार्ता करते हुए उनके द्वारा प्रदर्शित किये जा रहे उत्पादों की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को समय पूर्ण करने तथा विभिन्न स्थानों से आए स्वयं सहायता समूहों के लोगों के लिए उचित व्यवस्था करने के साथ ही स्टॉल आंवटित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए तथा लोक संस्कृति को बढावा देने के लिए जनपद देहरादून में सरस मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसके राज्य के साथ-साथ देशभर स्वंयसहायता समूह की लगभग महिला उद्यमियों द्वारा लगभग 250 स्टॉल लगाये जाएंगे। स्थानीय उत्पाद भोजन, हेण्डलूम, हैण्डीक्राफ्ट से सम्बन्धित स्टॉल लगाये जाएंगे। उन्होंने जनपद वासियों से स्वयं सहायता समूह द्वारा बनाये गए उत्पादों को खरीदकर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की राह में उनका उत्साहवर्धन करने तथा वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने हेतु योगदान की अपेक्षा की।

इस अवसर पर विभिन्न लोक गायकों एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे, जिसमें 06 अक्टूबर को लोक गायिक संगीता ढौंढियाल द्वारा प्रस्तुति, 07 अक्टूबर को पदमश्री जागर गायिका बसंती बिष्ट द्वारा प्रस्तुति, 08 अक्टूबर को प्रदमश्री प्रीतम भरतवाण द्वारा प्रस्तुति, 09 अक्टूबर को संगम सांस्कृतिक समिति, 10 अक्टूबर को ब्रह्मकमल सांस्कृतिक कला संगम, 11 अक्टूबर को गढरत्न लोक गायक नरेन्द्र सिंह नेगी द्वारा प्रस्तुति, 12 अक्टूबर को दून घाटी रंगमंच क, 13 अक्टूबर को पारम्परिक सांस्कृतिक संख्या, 14 अक्टूबर को भजन संध्या ओम प्रकाश जी, 15 अक्टूबर को अब्शू थपलियाल जी सांस्कृतिक संध्या एवं 16 अक्टूबर को समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में राज्य सहित देश के विभिन्न राज्यों से स्वयं सहायता समूह द्वारा अपने स्थानीय उत्पाद को लेकर स्टॉल लगाये जा रहे हैं, जिसमें मेघालय से बम्बू आइटम, ड्राई फ्लावर एवं ज्वैलरी सीसेल आईटम, तेलंगाना से हेण्डलूम, कॉटन आईटम, बिहार से लेदर बैग, मिथिला पैन्टिंग, सिल्क हेण्डलूम, पंजाब से वूलन प्रोडेक्ट, त्रिपूरा से हेण्डक्राफ्ट एण्ड हैण्डलूम, पाण्डूचेरी से परफ्यूम, कैण्डल व अगरबत्ती, छतीसगढ से साड़ी-सूट डे^{a}स, कुर्ता आईटम मटिरियल, गोवा से हेण्डलूम एण्ड स्वीट्स, पश्चिम बंगाल से आचार, पापड़, स्वीट, रेडिमेट उत्पाद एवं ज्वेलरी, आन्द्र प्रदेश से लेदर, पपेट वाल डेकोर, गुजरात से कॉपर बैल, केरला से स्पाईसी एण्ड फूड प्रोडक्ट, सिक्किम से बम्बू क्राप्ट एण्ड फूड प्रोडेक्ट, उत्तर प्रदेश से कारपेट, दरी, वुडन प्रोडक्ट, अपरल, पिकल्स, सिल्क, पोटरी, महाराष्ट्र से पापड़ चिप्स, लेदर चप्पल, वहीं हिमाचल प्रदेश से हेण्डलूम एण्ड फूड प्रोससिंग आईटम अपने-अपने स्टॉलों में विक्रय करेंगे।

निरीक्षण के दौरान निदेशक, ग्राम्य विकास अभिकरण आर.सी तिवारी, एसीईओ ग्राम्य विकास अभिकरण प्रदीप कुमार पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, जिला पंचायतीराज अधिकारी एम.एम खान, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, इवैन्ट मैनेजर संजय सिंह, नगर निगम सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

7 अक्तूबर को उत्तराखंड मनाएगा पहला गढ़भोज दिवस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 5 अक्टूबर। उत्तराखंड के पारंपरिक भोजन को पूरे देश में ₹गढ़भोज₹ के नाम से पहचान दिला कर थाली का हिस्सा व आर्थिकी का जरिया बनाने के लिये हिमालय पर्यावरण जड़ी बुटी एग्रो संस्थान जाड़ी वर्ष 2000 से राज्य मे गढ़भोज अभियान चला रहा है। असल मे उत्तराखण्ड का पारम्परिक भोजन दुनिया के चुनिंदा भोजन मे से है जो भूख मिटाने के साथ साथ औषधी का काम भी करते है। पहाड़ की फसले पारिस्थितकी तंत्र मे संतुलन बनाये रखने मे भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। दुर्भाग्यवश ये फसले व उनसे बनने वाले भोजन कुछ वर्ष पूर्व हासिये पर चले गये थे।जो फिर आज धीरे धीरे हमारी थाली का हिस्सा बन रही है।गढ़ भोज अभियान के लम्बे संघर्ष व सरकारों के प्रयासों से आज धीरे-धीरे फ़सलों के उत्पादन बढाने की कोशिश व बेहतर बाज़ार व्यवस्था के प्रयास जारी है। जिसे सब को मिलकर और बेहतर करने की जरुरत है। उत्तराखंड के पारम्परिक फसले व उससे बनने वाले गढ़भोज की खूबिया व सरक्षण को लेकर राज्यवासी सम्पूर्ण राज्य व राज्य से बाहर एक दिन उत्सव के रूप मे मनाये इसके लिये जाड़ी संस्थान के द्वारा 7 अक्टूबर 2022 को गढ़ भोज दिवस मनाया जा रहा है।

प्रथम गढ़ भोज दिवस का शुभारंभ प्रदेश के शिक्षा व स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत जी करेंगे। राज्य भर मे मनाया जायेगा गढ़ भोज दिवस।

गढ़भोज अभियान के प्रणेता द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने कहा की गढ़ भोज दिवस के अवसर पर उत्तराखंड के दो दर्जन से अधिक स्वस्थ, भोजन के विशेषज्ञो द्वारा स्कूली पाठ्यक्रम के लिये तैयार की गई पुस्तक का विमोचन किया जायेगा।#गढ़ भोज दिवस पर राज्य के स्कूल मे मिड दे मिल (प्रधानमंत्री पोषण) योजना मे गढ़ भोज शामिल होगा। जिसकी पहली थाली मंत्री जी बच्चों को पारोसेगें।डा. अरविन्द दरमोडा ने कहा की गढ़ भोज अभियान दुनिया का एक मात्र एस अभियान है जो फ़सलों व भोजन को पहचान दिलाने के लिये चलाया गया है। जो सफल भी हुआ। हम सबका दायित्व बनता है की उत्तराखण्ड की भोजन संस्क्रति, विरासत को लोग जाने इस लिये गढ़ भोज दिवस मनाने का निर्णय लिया गया।प्रो.यतीश वशिस्ठ ने कहा की उत्तराखण्ड के पारम्परिक भोजन गढ़ भोज की विषेशताओ को ज्यादा से ज्यादा लोग जाने व इसको राज्य व राष्टीय स्तर पर गढ़भोज उत्सव मनाने के लिये गढ भोज दिवस की कल्पना की गई।अक्तूबर का महीना इस लिये भी विशेष है की आजकल उत्तराखण्ड की फसले तैयार होकर खेत से घर पहुच रही है। द्वारिका प्रसाद सेमवाल प्रणेतागढ़ भोज अभियान, बीज बम अभियान,हिमालय पर्यावरण जड़ी बूटी एग्रो संस्थान जाड़ी 9411148872डा.अरविन्द दरमोडा, नोडल अधिकारी, पर्वतीय विकास शोध केंद्र प्रो. यतीश वशिष्ठ विकास पंत गढवाल सयोजक गढ़ भोज अभियान

छात्रों के बीच उद्यमशीलता की मानसिकता कैसे पैदा करें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एक उद्यमी मानसिकता यह है कि उद्यमी कैसे सोचते हैं और कार्य करते हैं। यह व्यक्तियों को अवसरों की पहचान करने और उनसे लाभ उठाने, पाठ्यक्रम बदलने, स्थिति की आवश्यकता होने पर गलतियों की समीक्षा करने और सीखने और आगे बढ़ने की अनुमति देता है। कुछ के लिए, एक उद्यमशीलता की मानसिकता उनकी व्यावसायिक परियोजनाओं को शुरू करने के लिए एक आधार प्रदान कर सकती है, जबकि दूसरों के लिए, यह उन्हें जो भी काम करता है उसमें उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद कर सकता है।दार्शनिक रूप से, इसे हमारी सहज क्षमता को अनलॉक करने के रूप में देखा जाना चाहिए। उद्यमिता पिछले कुछ वर्षों से सुर्खियों में आई है, खासकर जब हम अनिश्चित समय का सामना कर रहे हैं-जैसे कि कोविड -19 और तेजी से बदलती दुनिया। हम यह भी जानते हैं कि उद्यमिता किसी भी राष्ट्र में बेहतर आर्थिक और सामाजिक विकास की कुंजी है। विशेषज्ञों का मानना है कि, छात्रों को इन नए और विकसित कौशल हासिल करने के लिए, शिक्षकों को उद्यमशीलता की मानसिकता विकसित करने में उनकी मदद करनी चाहिए। लेकिन विशेषज्ञ कक्षा में एक विशिष्ट बिजनेस स्कूल दृष्टिकोण लाने के खिलाफ भी चेतावनी देते हैं।

छात्रों को कार्रवाई करने में मदद करना

मेंटर्स को छात्रों को साहसिक कदम उठाने, छोटे जोखिमों के साथ प्रोजेक्ट बनाने और संभावित निवेशकों को अपनी नई व्यावसायिक योजनाओं के बारे में प्रस्तुतीकरण करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। इसका युवा दिमाग पर अधिक और जीवन भर प्रभाव पड़ेगा। इससे उन्हें शुरुआत करने और अपनी कक्षा की मानसिकता से बाहर निकालने में मदद मिलेगी।

प्रेरक युवा दिमाग

ये शिक्षार्थी अवसरों की पहचान करने, गंभीर रूप से सोचने, रचनात्मक रूप से समाधान खोजने की क्षमता हासिल करते हैं और सबसे बढ़कर, सीमाओं से परे जाना सीखते हैं। गंभीर सोच, संचार और सहयोग कौशल व्यक्तियों को आगे की सोच रखते हैं और तेजी से बदलाव के अनुकूल होने और उनके करियर को आकार देने में मदद करने के लिए उन्हें अधिक चुस्त बनने में मदद करते हैं।

सामाजिक और राष्ट्रीय विकास के लिए उद्यमिता

आत्मानिर्भर भारत और स्टार्टअप इंडिया जैसे सार्वजनिक अभियानों और शार्क टैंक जैसी निजी पहलों के माध्यम से युवाओं में उद्यमिता के प्रति एक अद्वितीय जागरूकता है।

संपादकीय

आतंक का 'डीजी' आरक्षण

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजौरी की जनसभा में ऐलान किया है कि राज्य के गूर्जर, बक्करवाल और पहाड़ी समुदायों को आरक्षण दिया जाएगा। उन्हें अनुसूचित जनजाति का आरक्षण मिलेगा। जम्मू-कश्मीर में गूर्जर और बक्करवाल को 1991 से ही 10 फीसदी आरक्षण हासिल है, लेकिन पहाड़ी देश का पहला भाषायी समुदाय होगा, जिसे 'जनजाति' का दर्जा और आरक्षण मिलेगा। आरक्षण का आधार भाषा नहीं, जाति माना जाता रहा है, लिहाजा पहाड़ी समुदाय अभी तक आरक्षण से वंचित रहा है। पहाड़ी समुदाय में हिंदू-मुसलमान, ब्राह्मण, राजपूत आदि कई वर्ग आते हैं। तीनों समुदायों का विशेष उल्लेख इसलिए किया गया है, क्योंकि किसी का आरक्षण दूसरे समुदाय के आरक्षण को प्रभावित नहीं करेगा। प्रत्येक वंचित, हाशिए के समुदाय को उसके हिस्से की धूप जरूर मिलेगी, यह सार्वजनिक आश्वासन देश के गृहमंत्री ने दिया है। प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रियाओं के बाद आरक्षण लागू हो जाएगा, जिससे सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में इन समुदायों को भी लाभ मिल सकेगा। परिसीमन के जस्टिस शर्मा आयोग ने भी अनुशंसा की थी कि गूर्जर, बक्करवाल, पहाड़ी समुदायों को 'जनजातीय आरक्षण' की जरूरत है। तीनों की आबादी 11-11 फीसदी के करीब है। राज्य के पीर पंजाल, राजौरी, पुंछ, उत्तरी कश्मीर के बारामूला, कुपवाड़ा आदि इलाकों में इन समुदायों का काफी प्रभाव है, जो चुनावी संभावनाओं को निश्चित तौर पर तय करता है। सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक विषमताओं को दूर कर समानता स्थापित करने की दिशा में यह ऐलान और आरक्षण, यकीनन, एक सुखद और सकारात्मक ख़बर है। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35-ए को समाप्त करने के बाद दलित आरक्षण को भी नए सिरे से लागू किया गया था, लेकिन गृहमंत्री के महत्त्वपूर्ण प्रवास से एक दिन पहले ही पुलिस महानिदेशक (डीजी), जेल हेमंत लोहिया की हत्या ने हमें लगभग स्तब्ध कर दिया। राज्य में डीजी स्तर के अधिकारी को 'ज़ेड' सुरक्षा मुहैया कराई जाती है। वह 24 घंटे सुरक्षा घेरे में रहता है। उसके पीएसओ भी साथ में रहते हैं। ऐसे अधिकारी को बंद कमरे में, उनका ही नौकर, गला घोंट कर और रेत कर हत्या कर दे और फिर जलाने की भी कोशिश करे, यह वारदात हम पचा नहीं पा रहे हैं, क्योंकि यह सामान्य हत्या का मामला नहीं है। यदि जम्मू-कश्मीर में डीजी स्तर के अधिकारी का इस तरह कत्ल किया जा सकता है, तो हम राज्य को 'आतंक-मुक्त' करार नहीं दे सकते। बेशक पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने 'आतंकी कोण' को खारिज कर दिया है, लेकिन एक ही रात में इस निष्कर्ष तक पहुंचना कैसे संभव है? यदि सम्यक जांच के बाद आतंकियों की भूमिका सामने आती है, तो चौंकने की ज़रूरत नहीं है।

चीन सीमा के पास सेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, 1 पायलट की मौत, एक अन्य घायल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अधिकारियों ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के तवांग के पास बुधवार को एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से भारतीय सेना के एक पायलट की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।तवांग के निकट अग्रिम क्षेत्र में उड़ान भर रहा सेना का विमानन चीता हेलीकॉप्टर 05 अक्टूबर को सुबह करीब 10 बजे नियमित उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दोनों पायलटों को निकटतम सैन्य अस्पताल ले जाया गया, "असम के तेजपुर में सेना के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है। उनमें से एक को गंभीर चोटें आईं और बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई, जबकि एक अन्य पायलट का इलाज चल रहा है। सेना द्वारा अब तक दुर्घटना के पीछे कोई विशेष कारण साझा नहीं किया गया है। अरुणाचल प्रदेश में 2010 से अब तक छह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं में पूर्व मुख्यमंत्री दोरजी खांडू सहित 40 से अधिक लोग मारे गए हैं।

भारत में जल्द बनेगा मेड इन इंडिया ऐरपोडस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मेड इन इंडिया आईफोन 14 के बाद, मेड इन इंडिया एयरपॉड्स और बीट्स हेडफोन पर हाथ आजमाने के लिए पहली बार, कैलिफ़ोर्निया स्थित टेक कंपनी ने अपने आपूर्तिकर्ताओं से कुछ एयरपॉड्स और बीट्स हेडफोन के उत्पादन को भारत में स्थानांतरित करने के लिए कहा है। एप्पल आईफोन असेंबलर फॉक्सकॉन भारत में बीट्स हेडफोन बनाने की तैयारी कर रही है और उम्मीद है कि अंततः देश में भी एयरपॉड्स का उत्पादन होगा, एक मीडिया दैनिक ने सूत्रों का हवाला देते हुए बताया।

रिपोर्ट के अनुसार, लक्सशेयर प्रिसिजन इंडस्ट्री, iPhone निर्माता के लिए एक चीनी आपूर्तिकर्ता, और इसकी इकाइयाँ भी Apple को भारत में AirPods बनाने में मदद करने की योजना बना रही हैं। हालाँकि, लक्सशेयर अभी अपने वियतनामी एयरपॉड्स के संचालन पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है और भारत में एप्पल उत्पादों के सार्थक उत्पादन को शुरू करने में अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में धीमा हो सकता है। नवीनतम विकास पिछले महीने टेक दिग्गज द्वारा कहा गया था कि वह भारत में iPhone 14 का निर्माण करने के लिए उत्साहित है।

Apple ने 2017 में iPhone SE के साथ भारत में iPhones का निर्माण शुरू किया था। आज, Apple देश में अपने कुछ सबसे उन्नत iPhone बनाती है जिनमें iPhone SE, iPhone 12, iPhone 13 और, अब, iPhone 14 शामिल हैं। मेक इन इंडिया पहल के लिए एक प्रमुख धक्का में, भारत से टेक कंपनी का iPhone निर्यात $ 1 बिलियन को पार कर गया। अप्रैल के बाद से पांच महीनों में, ब्लूमबर्ग ने मंगलवार को सूचना दी। वर्तमान दर पर, मुख्य रूप से यूरोप और मध्य पूर्व के लिए भारत में बने iPhones का आउटबाउंड शिपमेंट मार्च 2023 के माध्यम से 12 महीनों में $2.5 बिलियन तक पहुंचने के लिए तैयार है।

शहीद अंकिता के घर पहुंची स्पीकर खण्डूड़ी ने न्याय का दिया भरोसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी, 5 अक्टूबर। उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण आज अंकिता भंडारी के परिजनों को ढांढस बंधाने उनके गांव डोभ श्रीकोट पहुंची। इस दौरान उन्होंने अंकिता के माता-पिता व भाई से मुलाकात की एवं आश्वस्त किया कि हत्याकांड के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने परिजनों को आश्वस्त किया कि अंकिता को न्याय दिलाने के लिए प्रदेश सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दुख के पल में प्रदेश का प्रत्येक व्यक्ति उनके परिवार के साथ है। उत्तराखंड की सरकार, जनता, समाज अंकिता के न्याय के लिए गुहार कर रही है एवं निश्चित तौर पर न्यायपालिका पर विश्वास है कि जल्द से जल्द अंकिता को न्याय मिलेगा एवं दोषियों को कठोर से कठोर सजा मिलेगी। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने अंकिता को श्रद्धांजलि अर्पित की एवं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

चावल की तुलना में मधुमेह रोगियों के लिए क्विनोआ बेहतर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

डायबेटोलॉजिस्ट का कहना है कि क्विनोआ में फेनोलिक यौगिक प्रमुख एंजाइमों को रोक सकते हैं जो भोजन के बाद रक्त शर्करा को कम करने में मदद कर सकते हैं। यदि आप चावल और अन्य सामान्य रूप से खाए जाने वाले अनाज को क्विनोआ से बदल दें तो क्या होगा? एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि यह भोजन के बाद रक्त शर्करा के स्तर को कम रखने में मदद करता है और संभवतः पूर्व-मधुमेह रोगियों में मधुमेह की प्रगति को रोक सकता है। 65 वर्ष से अधिक आयु के नौ पूर्व-मधुमेह रोगियों के एक छोटे से अध्ययन, जिन्होंने चार सप्ताह के लिए नियमित आहार और एक ही समय अवधि के लिए क्विनोआ आहार का पालन किया, ने दिखाया कि जब उन्होंने क्विनोआ आहार शुरू किया तो रक्त शर्करा के स्तर में स्पाइक्स कम हो गए। हालांकि कैलोरी की खपत में ज्यादा बदलाव नहीं आया, लेकिन क्विनोआ आहार उपभोक्ताओं ने कम कार्बोहाइड्रेट का सेवन किया। उनका वजन, बॉडी मास इंडेक्स और कमर की परिधि भी इस अवधि के दौरान कम हो गई। क्विनोआ वास्तव में एक प्रकार का खाद्य बीज है लेकिन इसे एक साबुत अनाज माना जाता है। हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के एक लेख के अनुसार, इसे प्लांट प्रोटीन और फाइबर का एक अच्छा

स्रोत माना जाता है - एक कप पके हुए क्विनोआ में लगभग 8 ग्राम प्रोटीन और 5 ग्राम फाइबर होता है। फोर्टिस सी-डॉक सेंटर फॉर डायबिटीज के अध्यक्ष डॉ अनूप मिश्रा ने कहा कि क्विनोआ मधुमेह (प्री-डायबिटीज) के जोखिम वाले लोगों और पहले से ही मधुमेह वाले लोगों के लिए एक स्वस्थ विकल्प है। उन्होंने कहा कि यह प्रोटीन और फाइबर की उच्च सामग्री है जो शर्करा के स्तर को नियंत्रण में रखने में मदद करता है। ₹लेखक यह भी कहते हैं कि क्विनोआ में फेनोलिक यौगिक प्रमुख एंजाइमों को रोक सकते हैं जो भोजन के बाद रक्त शर्करा को कम करने में मदद कर सकते हैं।

लंकापति का अहंकार हुआ चूर, धू धू कर जला रावण; इस दौरान जमकर हुई आतिशबाजी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 5 अक्टूबर। बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व दशहरा शहर में भव्य रूप से मनाया गया। आज शाम छह बजकर पांच मिनट पर देहरादून के परेड ग्राउंड में रावण और लंका दहन किया गया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी हुई।

बन्नू बिरादरी की ओर से आयोजित शहर के सबसे बड़े कार्यक्रम के तहत परेड ग्राउंड में रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले दहन किए गए। तकरीबन आधे घंटे तक आतिशबाजी विशेष रही।

इस दौरान पंजाब का पाइप बैंड और नासिक में ढोल पर जमकर नृत्य कर लोग ने राम के जयकारे लगाए। इसके अलावा हिंदू नेशनल इंटर कॉलेज और प्रेम नगर में भी दशहरा मेला और रावण पुतला दहन किया गया। शाम को वर्षा के चलते शहर के विभिन्न जगहों में पुतला दहन को लेकर लोग में खासा उत्साह दिखा। परेड ग्राउंड में खड़े पुतले के बाहरी सतह पर कपड़े की वजह से पानी नहीं पहुंचा और भीगने से बच गए। हालांकि मोटे कागज से बनाई लंका गीली हो गई और इससे बनाई दीवार नीचे गिर गई। इसके बाद आयोजक समिति ने दोबारा से लंका की दीवार को खड़ा किया। वर्षा के बाद भी रावण दहन को लेकर लोग में खासा उत्साह नजर आया। बच्चे, बड़े, महिलाएं काफी संख्या में पुतला दहन और मेला देखने पहुंचे।

दशहरा कमेटी बन्नू बिरादरी की ओर से शहर के सबसे ऊंचे 65, 60 व 55 फीट के पुतले परेड ग्राउंड में दहन किया गया। वहींपरेड ग्राउंड में लगे दशहरे मेले में लोग ने जमकर खरीदारी की।

देहरादून-अमृतसर लाहौरी एक्सप्रेसः ट्रेन पलटाने की साजिश हुई असफल, लोको पायलट की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त करने की अराजक तत्वों की साजिश मंगलवार रात लोको पायलट की सूझबूझ के चलते असफल हो गई। दरअसल, अराजक तत्वों ने डोईवाला से आगे ट्रैक पर करीब 20 फीट लंबा लोहे का पाइप बांधा हुआ था। मंगलवार रात देहरादून से अमृतसर जा रही लाहौरी एक्सप्रेस जैसे ही डोईवाला से आगे निकली, यह पाइप ट्रेन के पहिये में जाकर फंस गया। लोको पायलट ने तत्परता दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए, जिससे एक बड़ा हादसा होने टल गया। पुलिस ने मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

डोईवाला कोतवाली के प्रभारी राजेश साह ने बताया कि मामले में रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर राकेश चंद ने मुकदमा

दर्ज कराया है। पुलिस को दी तहरीर में उन्होंने बताया कि देहरादून-अमृतसर लाहौरी एक्सप्रेस मंगलवार की रात 8:37 पर दून से निकली थी। जैसे ही ट्रेन डोईवाला से आगे रेलवे फाटक संख्या 26 और 27 के बीच से गुजर रही थी तभी ट्रेन के लोको पायलट ने देखा कि रेलवे ट्रैक पर लोहे का भारी-भरकम लंबा पाइप पड़ा है। गनीमत रही कि तब ट्रेन की रफ्तार करीब 35 किलोमीटर प्रतिघंटा थी। जिससे लोको पायलट को इमरजेंसी ब्रेक लगाने के लिए समय मिल गया और एक बड़ा हादसा होने से टल गया। हालांकि, इसके बावजूद लोहे का पाइप ट्रेन के पहिये में फंस गया था। जिससे करीब 40 मिनट तक ट्रेन खड़ी रही।

लोको पायलट ने इसकी जानकारी रेलवे और पुलिस अधिकारियों को दी। जिसके बाद रेलवे, आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारी, कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंचे। 40 मिनट की जद्दोजहद के बाद पहिये से पाइप को निकाला जा सका और फिर ट्रेन रवाना हुई। रेलवे अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की जांच में यह बात सामने आई है कि अराजक तत्वों ने लोहे का लगभग बीस फीट लंबे पाइप का एक हिस्सा रेलवे ट्रैक से बांधा था। जबकि दूसरा हिस्सा पेड़ की जड़ के बांधा गया था। आशंका जताई जा रही है कि यह ट्रेन को पलटाने की साजिश थी। पुलिस और रेलवे के अधिकारी हर पहलू की बारीकी से जांच कर रहे हैं। उधर, बताया जा रहा है कि इस घटना से कुछ देर पहले ही इस ट्रैक से जन शताब्दी गुजरी थी। लेकिन तब ट्रैक पर कोई पाइप नहीं था।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष: 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा